प्रेषक.

टीकम सिंह पंवार संयुक्त सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में

निदेशक, अर्थ एवं संख्या निदेशालय, उत्तरांचल, देहरादून।

नियोजन अनुभाग।

देहरादूनः दिनांकः ४५ -दिशम्बर २००६

विषयः अनुदान संख्या—07 के अधीन लेखाशीर्षक—3454 के अंतर्गत 03—अर्थ एवं संख्या अधिष्ठान के 13—टेलीफोन पर व्यय मद में पुर्नविनियोग के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2006—07 में अतिरिक्त धनशक्ति की स्वीकृति । महोदय.

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0-2134/3-ले0(अ०ए०स०)/2006-07 दिनांक 06 नवम्बर, 2006 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय 13-टेलीफोन पर ध्यय मद में चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में रूपये 1.75 लाख (रूपये एक लाख पिचहत्तर हजार मात्र) की धनराशि आपके निवर्तन पर रखते हुए व्यय करने की सहषं स्वीकृति निम्न शर्तो एवं प्रतिबंधों के अधीन स्वीकृति प्रदान करते हैं:--

1—रूपये 1.00 लाख की धनराशि 2006—07 के आय—व्ययक में प्राविधानित धनराशि से एवं रूपये 75,000/— की धनराशि पुनीविनियोग द्वारा स्वीकृत की जा रही है ।

2— उक्त धनराशि केवल उन्हीं मदों पर व्यय की जायेगी जिनके लिए यह स्वीकृत की जा रही है । चालू योजना पर ही व्यय किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नई मदों के कियान्ययन के लिए नहीं किया जायेगा ।

3- स्वीकृत कार्यो पर व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका,बजट मैनुअल, स्टोर पर्यज रूल्स एवं मिलव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन कडाई से किया जायेगा । टेलीफोन मद भितव्ययता की मद है । अतः इसमें विशेष ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है ।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का एकमुश्त आहरण न करके यथा आवश्यकतानुसार ही व्यय किया जायेगा तथा व्यय का विवरण यथा समय प्रत्येक माह बी०एम0-13 पर शासन को उपलब्ध कराया जाय ।

उक्त के संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-07 के अधीन लेखाशीर्षक "3454-जनगणना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी-02-सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी-आयोजनेत्तर-001-निदेशन तथा प्रशासन -03-अर्थ एवं संख्याअधिष्टान-13-टेलीफोन पर व्यय" के नामें डाला जायेगा एवं सलग्न प्रपन्न बी0एम0-15 के अनुसार पुनीविनियोग के माध्यम से वहन किया जायेगा ।

यह स्वीकृति वित्त विभाग के अशासकीय संख्या—1324/वि०अनु०— 5/2006 दिनांक 20 दिसम्बर 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहें हैं।

भवदीय.

(टीकम सिंह पवार) संयुक्त सचिव।

संख्या— १८ / XXVI(दो) / 2006 तद्दिनांक ।
प्रतिसिपि निम्निलेखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—
1— महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून ।
2— विरुष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून ।
3— वित्त अनुभाग—6
4— समन्वयक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून ।
5— गार्ड फाइल ।

(टीकम सिंह पंवार) संयुक्त सचिव ।

Bhatt Plening west ayog-95

पुनर्विनियोग विवरण पत्र 2006-07 आय व्ययक प्रपत्र-15

प्रशासनिक विभाग-नियोजन विभाग

नियंत्रक अधिकारी-सचिव,नियोजन।

(धनराशि ह०% अनुदान साज्य

	175	1.5	\$7 000	75	175	0	리카 중0 250
15-टरनेपोन नद में यिनतिय व 2006-07 हेर्नु ए० 100 फलार आयटन प्राप्त हुआ है। 31 सिर को सम्पन्त होने वाली अवति व एव बच्चत यिवरण पन्न के अनुरू मुंबद्धला एवं निदेशालय की प्रा- नोडले हुए अस नद में रूक उठा व्याप की सम्भावना है। अत इर 100 हजार धमतिश की अतिरु	175	176	3454 — खनगणना सदेशम तथा साहित्यकी 02 — सर्वेक्षण तथा स्थानिक्षकी — आवीजनेत्वर 001 — निरंशान तथा प्रशासन 03 — अर्थ एवं सर्वन अधिकान 15 — टेलीफोम पर व्यथ	75	175	0	3454-जनगणना सर्वक्षण तथा साम्बर्धा 02-सर्वक्षण तथा साह्यकी- आयाजनेत्तर 001-निदेशन तथा प्रशानन 03-अर्थ एवं सच्या अपिष्कान 45-अवकारा याजा सर्विद्या
90	07	90	05	28	00	02	01
टिप्पणी	पुनविनयाग के टिप्पण यद रतम्भ-01 में कुल धनराशि	पुनावीनयाग के बाद स्तम्म-5 में कुल बनराशि	लखसाधः जिसमे धनदारि स्थानान्तरित किया जाना है।	अवश्य धनसाह (सन्दान)	वित्ताय यह के श्रेष अवधि में अनुस्मितित व्यय	मानक मदर्वार अध्याविक्रिक व्यय	थलट प्राथकान तथा लखा शर्पिक का नेवरण

उल्लंघन नहीं होता है। प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग के बजट मनुअल के परिच्छंद-150,151,155 एवं 156 में उल्लिखित प्राविधानों एवं

(टीकम सिंह पंत

सयुक्त सचिव।

उत्तारांचल शासन वित्त अनुभाग−5 रांख्या– 1324 🖔 वि0अनु0-05 / 2006 देहरादून: दिनांक: २० , नवम्बर, 2006

पुनीविनियोग स्वीकृत ।

(अर्जुन शिंह) अपर राचिव ।

रोवा गे

महॉलेखाकार, उत्तरांचल, ओबराय गोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।

संदर्गा-	प्रतिहिति विस्वक्षितिक स्थापन विद्वितांक ।
1- 2-	निदेशक, अर्थ एवं संख्या निदेशालय कार्यवाही हेतु प्रेषित
3-	वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून। वित्त अनुभाग–05, उत्तरांचल शासन ।
	The state of the s

आज्ञा से,

(टीकम सिंह पंवार संयुक्त सचिव ।